

एक्सप्रेस-वे संग फर्माटा भरेंगे उद्योग

Anand.Tripathi

@timesofindia.com

लखनऊ : बुंदेलखंड और पूर्वांचल के पिछड़े क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए राज्य सरकार ने बड़ी पहल की है। इन इलाकों में उद्योगों को बढ़ावा देने के साथ-साथ इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग ऐंड लॉजिस्टिक्स क्लस्टर विकसित करने की तैयारी तेज कर दी गई है। प्रदेश के सभी एक्सप्रेस-वे के किनारे कुल 18 ऐसे क्लस्टर बनाए जाएंगे, जिनमें सबसे बड़ा बुंदेलखंड के बांदा में स्थापित होगा। यह क्लस्टर 1426 एकड़ में तैयार किया जाएगा। वहीं,

पूर्वांचल के गाजीपुर में 1026 एकड़ जमीन पर क्लस्टर बनेगा। यूपीडा ने सभी 18 क्लस्टर के लिए प्लॉट आवंटन के लिए आवेदन मांगे हैं। ये क्लस्टर गंगा एक्सप्रेस-वे, पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे, बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे, बुंदेलखंड लिंक एक्सप्रेस-वे और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे के किनारे विकसित किए जाएंगे।

सबसे ज्यादा 6 क्लस्टर गंगा एक्सप्रेस-वे के किनारे : 18 इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग ऐंड लॉजिस्टिक्स क्लस्टर में से सबसे ज्यादा 6 क्लस्टर गंगा एक्सप्रेस-वे

पांच एक्सप्रेस-वे के किनारे विकसित किए जाएंगे 18 क्लस्टर

बांदा-गाजीपुर में बनेंगे सबसे बड़े लॉजिस्टिक्स क्लस्टर

के किनारे बनाए जाएंगे। ये क्लस्टर मेरठ, उन्नाव, बदायूं, संभल, हरदोई और शाहजहांपुर में बनेंगे। बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के किनारे बांदा, औरैया, महोबा, हमीरपुर में 4 क्लस्टर बनाए जाएंगे। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के किनारे फिरोजाबाद और इटावा में 2 क्लस्टर प्रस्तावित हैं। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के किनारे सुलतानपुर, अंबेडकरनगर, गजीपुर और अमेठी में 4 क्लस्टर होंगे। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे के किनारे अंबेडकरनगर और गोरखपुर में भी क्लस्टर बनेगा।

कहां कितने एरिया(एकड़) में बनेगा क्लस्टर

